A–341

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BASL–102

नीतिकाव्य, व्याकरण एवं अनुवाद

Bachelor of Arts (BA)

1st Year Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नीति साहित्य का महत्व प्रतिपादित करते हुए आचार्य भर्तृहरि के संस्कृत साहित्य को दिये योगदान का वर्णन कीजिए।

2. हितोपदेश में वर्णित अंधे गिद्ध, बिलाव और चिड़ियों की कहानी को सरल शब्दों में अभिव्यक्त कीजिए।

3. निम्नलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए :

(क) शास्त्रोपस्कृतशब्दसुन्दरगिरः शिष्य प्रदेयागमा।

विख्याताः कवयो वसन्ति विषये यस्य प्रभोर्निर्धना॥

तल्लाड्यं वसुधाधिपस्य कवयो हयर्थं विनापीश्वरा।

कुत्स्याः स्यु कुपरीक्षका हि मणयो यैरर्घतः पातिताः॥

(ख) केयूरा न विभूषयन्ति पूरूषं हारा न चन्द्रोज्जवला।

न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालंकृता मुर्द्धजाः॥

वाण्येका समलंकरोति पूरूषं या संस्कृता धार्यते।

क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम्॥

4. कारक के अन्तर्गत किन्हीं **दो** करणकारक सूत्रों का प्रतिपादन करते हुए सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

5. कर्तृवाच्य को उदाहरण सहित समझाइए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सम्प्रदान संज्ञा विधायक सूत्र का उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

2. इको यणचि सूत्र की व्याख्या कीजिए।

3. भूतकाल को प्रदर्शित करने वाले लकारों की व्याख्या कीजिए।

4. अयादि सन्धि विधायक सूत्र की व्याख्या कीजिए।

5. हितोपदेश के आधार पर शिकारी, मृग, शूकर और गीदड़ की कहानी का सारांश लिखिए।

6. निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

आसीत्कल्याणकटकवास्तवयो भैरवो नाम व्याधः। स चैकदा मृगमन्विष्यमाणो विन्ध्याटवीं गतवान्। ततस्तेन व्यापादितं मृगमादाय गच्छता धोराकृतिः शूकरो दृश्टः। तेन व्याधेन मृगं भूमौ निधय शूकरः शरेणाहतः। शूकरेणापि घनघोरगर्जनं कृत्वा स व्याधो मुश्कदेशे हतः संश्छिन्नद्रुम इव भूमौ निपपात। अथ तयोः पादास्फालनेन सर्पोऽपि मृतः। अथानन्तरं दीर्घरावो नाम जम्बुकः परिभ्रमन्नाहारर्थी तान्मृतान्मृगव्याधसर्पशूकरानपश्यत्। अचिन्तयच्च-अहो! अद्य महद्भोज्यं में समुपस्थितम्। तद्भवतु। एषां मांसैर्मासत्रयं में सुखेन गमिष्यति।

7. हितोपदेश में निहित कथायें एवं सुभाषित मनुष्य को क्या संदेश देते हैं ?

8. निम्नलिखित पद्य की व्याख्या कीजिए :

शास्त्राण्यधीत्यापि भवन्ति मूर्ख

यस्तु क्रियावान् पुरुषः स विदवान्।

सुचिन्तितं यौषमातुराणां

न नाममात्रेण करोत्यरोगम्॥

****